

53

ASHA ARCHIVES

3296

८६ थो. न. मूहा या निर्याचनविधि

ASHA ARCHIVES

3296

ॐ सनायि ॐ ध्या कचा ॥

नयि ॐ

ॐ वलि

ॐ अद्य पाशा अद्या ॥ म

सनायि सजा की भी यून

ॐ धवन जा की जा की सुविग स्या नगय ॥
ॐ वलि व डि ही या

ॐ नम गृहिकार्ये नम ॥ नासिया ॥ न्या
सया या ॥ विज क ४ अमाय रुदा नि
जा का अंगुष्ठा र्या रो नि ज को नि
नि र्या रा नि ज कुम वमा र्या रानि
क दे अनामि का र्या रा नि ज को

कनिष्ठा ह्यां रा॥ नं० ३० ४० अ०
य हू० ॥ नं० ३० का० हू० दया० य रा॥
नं० ३० की० गि० न० म० स्वा० हा० ॥ नं० ३० दू० गि०
स्वा० य न० म० ॥ नं० ३० के० क० व० चा० य रा॥
नं० ३० की० न० र० य० य रा॥ नं० ३० ४०

अ० मा० य हू० ॥ गा० हा० वा० श० न० अ०
घा० श० न० ॥ यू० का० या० य० ॥ नं० की० गि०
हू० म० रू० म० ल० व० न० यू० ज० ल० पा० य०
इ० का० यू० का० या० मि० ॥ स्वा० न० व० य० न०
न० न० ॥ का० हू० द० या० य रा॥ की० गि०

नमः॥ दुर्गा देव्याय॥ नमः॥ कव
चाय॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥ नमः॥
४॥ अम्माय॥ रुद्र॥ वीर॥ स्वान॥ कि
कावना॥ दा॥ न॥ या॥ स॥ न॥ य॥ ॥ न॥ व॥ द॥
ना॥ रु॥ द॥ ये॥ श्व॥ न॥ म॥ ॥ (५॥ न॥ म॥ द॥

द॥ ग॥ य॥ ॥ सु॥ र्य॥ दे॥ व॥ या॥ न॥ स्वान॥ न॥ न॥
मा॥ या॥ न॥ ॥ उ॥ द॥ का॥ द॥ को॥ म॥ ॥ श्री॥ सु॥ र्य॥ या॥ य॥
न॥ म॥ ॥ ३॥ ॥ व॥ लि॥ वी॥ य॥ ॥ न॥ व॥ ज॥ ला॥ गि॥
नी॥ व॥ वी॥ ग॥ को॥ म॥ दि॥ ना॥ य॥ व॥ लि॥ ग॥
रु॥ द॥ स्वा॥ हा॥ ॥ द॥ थू॥ शी॥ द॥ क॥ या॥ ॥

१ ८
पखाननन॥ उंकी सुभनमा बुना
यनायनम॥ ३॥ वालिवीयाम्बु
ल श्री देवीसकी सहिनायवल्लि
गुकर साहो॥ महा देवयानि॥
उंसास दागि वायनम॥ ३॥ वेलि

वलि॥ उंभवमकिगहिनायवल्लि
गुकर साहो॥ ऊययाया॥ उंकी
कीस साहो॥ १०॥ उंकीस॥ सा
हो॥ १०॥ उंसाहो॥ १०॥ म
ल्लयाकाखसानक होतग

य॥ अ की आ दा व न य॥ उं ऊ वा
कू सु म मं का गं का भी य री म रु
इ ति न मा नी स व यो प ग नं व न
मा मि दि वा क लै॥ उं ऊ रु रुं ग
दा व क ग कू उं ऊ स वा रु नं स

म क या ति क ल्या नं य म ना री
ऊ ना द नं॥ उं न म मि वा य सा ना
य क र नं ग रु नं वी नि य द या
मि वा उ मा नं री या ति य न म म
लि॥ ग स र्व वि वि य त्रि य न मी

मुने॥ ऊ॥ य॥ मे॥ उ॥ न॥ स॥ व॥ द॥ म॥
ने॥ न॥ वृ॥ य॥ ॥ ग्या॥ म॥ या॥ य॥ उ॥ थ॥ ह॥ य॥
या॥ गु॥ वी॥ ने॥ ॥ नी॥ सि॥ य॥ ॥ था॥ न॥ के॥
॥ थ॥ कि॥ लि॥ ग॥ व॥ न॥ इ॥ ने॥ ॥

ना॥ न॥ वा॥ व॥ का॥ गु॥ वी॥ रा॥ हा॥ क॥ न॥ हा॥
य॥ ची॥ ने॥ स्वा॥ ने॥ ने॥ य॥ म॥ क॥ ल॥ त॥ न॥ ॥
नि॥ थ॥ सी॥ धे॥ न॥ या॥ य॥ ॥ वा॥ हा॥ के॥ न॥
दा॥ य॥ ॥ कु॥ १॥ अ॥ म्मा॥ य॥ रु॥ ट॥ ॥ ना॥ या॥
दा॥ य॥ ॥ कु॥ १॥ अ॥ म्मा॥ य॥ रु॥ ट॥ ॥ दी॥ ग॥

वैधनयाय ॥ क० अ० म० य० रु० ॥
जं वै गुरुं नमः ॥ शानि मू० दा ॥ १० ॥
यावत्तय ॥ ३० अ० म० न० अ० म० न०
रवाय अ० म० न० प० वि० वि० अ० म० न०
सायय २ स्वादा ॥ १० ॥ य० दा० या

या ॥ दा० दा० दा० दा० ॥ १० ॥ नै० द० न०
रु० य० य० न० म० ॥ शानि मू० दा ॥ न०
प्रा० दा ॥ ना० दा० क० न० दा० या ॥ क० अ०
ना० य० रु० ॥ ना० या० दा० य० उ० थं ॥ दा०
ग० वै० ध० न० या० या ॥ क० अ० अ० म० य० रु०

॥ (ध नू मू डा ॥ थी या व न य ॥ यं १०
॥ त्रं १० ॥ त्रं १० ॥ (ध नू मू डा ॥ वी की
ति ध ढ सा हि न न य ॥ ॥ अ द्य वा
न म न य ॥ वी न स्था न स क त र न
न य ॥ नी सि य ॥ अ द्या डा दा व

न य ॥ उं कां की स धी सु र्या य अ
द्य न म ॥ स्था न डा की न न ॥ य द्य
न म ॥ म ल ल या दा व स्था न क
ल न य ॥ डा की डा दा व न य
॥ उं अ र व लु म लु ना का रं या रं

अनवमाचत्रैतत्स्यददगिनैथन
गमैयुगुत्रवैनम॥स्वाननचक्रय
॥अमननयेवल्लिम॥नैजयडोम
नाययाइकायुडयामि॥अद्यवा
नमै॥नैजयगामनाययाइकायु
डयामि॥थवने॥नैजयडोमना

ययाइकायुडयामि॥अवस्ववनि
न॥क०अमोयरुट॥नामयाय
॥नैजक०अमोयरुट॥नैजका
अंगुष्ठायां॥नैजकीनडेनीत्या
॥नैजकुम्भमात्यां॥नैजदि
कनिष्ठायां॥क०अमोयरु

८॥ क॥ ह॥ दयाय २॥ कौमि वस २॥
कुमि स्वाय २॥ कुकववाय २॥ कु
न॥ उ॥ उ॥ याय २॥ कु॥ अ॥ मा॥ य॥ रु॥ ट॥
॥ अ॥ घा॥ म॥ प॥ ऊ॥ या॥ या॥ नि॥ अ॥ कौ॥ म॥
कु॥ क्षे॥ कु॥ अ॥ ल॥ पा॥ उ॥ या॥ इ॥ का॥ य॥

ऊ॥ या॥ मि॥ २॥ स्वा॥ न॥ स॥ या॥ व॥ न॥ न॥ नि॥
का॥ ह॥ द॥ या॥ य॥ रा॥ ग॥ नि॥ न॥ न॥ अ॥ उ॥ य॥
षी॥ रा॥ ८॥ प॥ न॥ म॥ उ॥ ॥ वा॥ हा॥ क॥ न॥ हा॥ य॥
॥ कु॥ अ॥ मा॥ य॥ रु॥ ट॥ स॥ क॥ व॥ ल॥ न॥ हा॥
य॥ अ॥ घा॥ म॥ प॥ ऊ॥ या॥ या॥ नि॥ अ॥ कौ॥
म॥ क्षे॥ कु॥ अ॥ ल॥ पा॥ उ॥ या॥ इ॥ का॥ य॥

यामि॥ श्लो यथैवाङ्कायुङ्कयामि
॥ भावसविद्वीय॥ श्लो यथैवाङ्कायुङ्क
यामि॥ ३॥ ७ ॥ यैववलिप्रिया॥ द
धनान्दं द्वाही द्वायवायव
लिङ्गद्वर स्वादाभनं वावीवुड
कनाथायवलिङ्गद्वर स्वादा॥

येयां सर्वथागिनि स्वावलिङ्गद्वर
स्वादाभनं वाचामिदायवलिङ्गद्वर
स्वादाभनं गगनं वाचामिदायवलि
ङ्गद्वर स्वादा॥ वीद्वीय॥ नम
नाथाय॥ नमः श्रीसिद्धिनाथाय॥ न
मः श्रीवृङ्कासनाथाय॥ श्लो यथैवाङ्का

पूजयामि॥३॥सत्राधिथायावतय
॥श्रीमंतुलसीमल्लोक्तंकेकेमवद
निदिगानेन्दगकिमुलीमांसुष्टिया
यवेतुष्टुजुक्तलगनयचकैरान्य
कषटकेचलीच॥यस्तुका॥८५॥
नत्रपिचतु३४गङ्गागानमल्लोक्त

संसृष्टयानुक्तसैनमनउत्तवनेरु
वेगीकुङ्कमा॥॥विदवदुक्तमाय॥
ननरासनायरावेकांतीकुङ्कमा
यात्राययाइकांती॥वलिभनेमयू
सनाययाइकांती॥ग्रीकीकुलये
विदूकनाथययाइकांती॥वलिभने

गं गं गं गं ४८ गं गं गं गं ४८ गं गं गं गं ४८ गं गं गं गं ४८
य या इ को ऊ ॥ वलि ॥ नं य द्रा स ना य
या इ को ऊ ॥ ग वा स ना य या इ को ऊ
॥ गं या इ लि न य नं की पी श्रु द्रो द
सं नं मं लं वं तं यं आ न नं गं गं गं गं
ने वानं नं वी ना धि य न य स रं गं

म सा वि द्या ना इ गं गं गं गं ४८ गं गं गं गं ४८
वा ल्मा रु द्रा त का य गं गं गं गं ४८ गं गं गं गं ४८
मि ॥ ३ ॥ नं नं नं नं नं नं नं नं नं नं नं नं नं
म सा ॥ धं गि मु न्मं लु न य ॥ ॥
का थं नं यो ॥ ए व नं यो यो ॥ गं गं गं गं
सा य र ॥ उ व सं ऊ थ ॥ गं गं गं गं ४८ गं गं गं गं ४८

3296

ASHA ARCHIVES

॥ स्ववर्मं ऊच्यते ॥ दयं ऊच्यते ॥ गीवालका
मा त्रिदशेनमः ॥ त्रायादाय ॥ कु १ अम
संरुट ॥ दीगवैधनयाय ॥ कु ४ अम
संरुट ॥ अवनिगी हावगया ॥ यं १३ ॥
नीयागिया ॥ वं ३२ ॥ स्ववर्गी हावव
नसा विष्काय ॥ वं ३४ ॥ न्यासयाय नि

अकत्र ४ अमयाय रुट ॥ नं ऊकां अं गुष्ट
त्या नमः ॥ नं ऊकां नं ऊं नित्यां नमः ॥ नं ऊ
कु म (धमायां २ ॥ नं ऊकां अनामिका
त्यां २ ॥ नं ऊकां कनिष्ठायां २ ॥ नं ऊकां
अमयाय रुट ॥ नं ऊकां हृदयाय २ ॥
नं ऊकां किमिमे स्वाहा ॥ नं ऊकां किरवा

यथीषट् नंज के कवचाय २ नंज
की नज जेयाय २ नंज क ४ अमाय
रुट् ॥ अमन नयम नायि मं नंज अ
धामनाय वाइ कांज नंज म य
नासनाय वाइ कांज नंज अय नासना
य वाइ कां ७॥ धान ॥ श्री गौडालि

नय ॥ नंज ७॥ श्री वां वीर गौ नंज
म हा रे नवाय कां की वं श्री ७॥ वाप
कोमा वि द वेश यो डालि श्री पृथ्वी वाइ
कां पृजयामि ॥ ३॥ वनिष्ठ कर स्वाहा
॥ वक्रो न्यादिया च्या क्र म ॥ अमन नय
॥ नंज है सा सनाय २ नंज वृषा सना

य २॥ मयूनासनाय २॥ गजना
य २॥ ४॥ निरयनासनाय २॥ गजना
नाय २॥ यनासनाय २॥ सिहासना
य २॥ अयाजलानय ॥ नैवेद्याय ॥
पाइका ॥ नैका ॥ मयूनाय ॥ पाइ
का ॥ नैका ॥ क्रमाय ॥ दैवपाइका

जा नैका ॥ वेष्टुय पाइका ॥ नैका
गीवावादी पाइका ॥ नैका ॥ नैका
न्यायनी दैव पाइका ॥ नैका ॥ मयूनाय
मूनाय पाइका ॥ नैका ॥ मयूनाय
अय पाइका ॥ नैका ॥ नैका ॥ नैका
नैका ॥ नैका ॥ नैका ॥ नैका ॥ नैका

मूढा॥ वलिमूत्रहय॥ नंदक शास्त्री
कुरुवा नायवलिगट कर स्वाहा॥ नं
क वीविं व व उ क नाथयवलिगट
र स्वाहा॥ नंदक गम ग्री गू ४ छी कुल
ग ली ग्य नायवलिगट कर स्वाहा॥
नंदकी श्री यां सर्वश्री गि स्थावलिगट

कर स्वाहा॥ नंदकं श्री वा मूळ अयव
लिगट कर स्वाहा॥ नंदकी श्री कुमाहा
का नायवलिगट कर स्वाहा॥ नंदकी
श्री दु उ का दि स्था मा नृ ग ली स्था
वलिगट कर स्वाहा॥ थूटा वहाय
कै नय नंदकी श्री समस्त श्री धर्मि

सनचि० अयचि० (अयचिथदिथामिहो
समयचक्रयाइकोपूज्यामि० दने
वैश्याइवल्लिगटकरसाहा॥ उकोन
गोडगकिचिनसर्ववृद्धदयायन
मवल्लिगटकरसाहा॥ नयेवाइकन॥
नंदोपीपुत्रमलुनाय॥ नंदोपी

वाचकोमानिद्वेनचिवाइयाइका
पूज्यामि॥ ३॥ अयचक्रया॥ उयया॥
या॥ हा॥ ३॥ ता॥ ३॥ (सु॥ ३॥ अ॥ म॥ १०८
॥ अ॥ म॥ १०८॥ म॥ लुन॥ अ॥ म॥ १०८
व॥ अ॥ म॥ १०८॥ अ॥ म॥ १०८॥ अ॥ म॥ १०८
की॥ अ॥ म॥ १०८॥ अ॥ म॥ १०८॥ अ॥ म॥ १०८

धय॥ उं जूरतलमलुनाकारेयाक
ऊनचवाचनं नृपदंदगुंरंशननम
गुत्रुवनम॥ उं वंदसदासकोलिकुमा
नरुं नृवृं नवकेषानं खवो गेख इ
नवृं उं कं काय रु कं दाप्रथितेतिरु
वनं वनवनराया॥ यिसागनं वडक
इं कल॥ कं ३ ५ सुवावि॥

नाथ॥ ॐ गियुसिंदे॥ सुंदरं ऊनकाननक
न धुमकं उं वा॥ सुगं सकमिमुआमग
न धा॥ नाया॥ या॥ का॥ य॥ स॥ न॥ सि॥ वि॥ वा॥ रु॥
ना॥ व॥ धा॥ सि॥ इ॥ ने॥ मा॥ ल॥ म॥ द॥ म्॥ चि॥ त॥ न॥
कं॥ वृ॥ रु॥ नि॥ डि॥ ल्य॥ न॥ य॥ थो॥ ध॥ न॥ द॥ रु॥ ल॥
श्री॥ धा॥ वि॥ वा॥ न॥ तु॥ वृ॥ न॥ व॥ न॥ मा॥ द॥ कं॥

सा कुरुते यायादयं गद्यपति ॥ समकला
थदाता ॥ ३ ॥ अमानकादिनं गमनं
न नमितामक मीरुं गगननिविभो वी
बालनं गद्य धूतनं न कुद्यना भस्वना
नमो हा देवां गद्ये मुग्धा हा वनवक्त्र
सुम वव ना के ग हा ना सामे ग्वनी गी

कृद्वि कावित न कुस न नं ज्ञान दिव्यो
द्यं मूद्यं ॥ ३ ॥ सिधु नयु जास दृसा इति
मात रु नि विद्यु प को स ग कि द वा
ना मायु न को स समा वि नि वा न व
वी को मो वि का रु व कु भ ग्द रु म ग
नाय ॥ ॥ ॥ सी व को मि उ ला के कु म व

दनिहिता नन्दगकिः ॥ सुती मां सुं वि
न्यायं च त्रुष्टं अकलकलगतं वैचकं
वान्यक वटकं च त्वा ॥ यं श्रीको ॥ ६४ ॥
यूनत्र चिचुते ॥ १०० ॥ नाम लुलदम
सुष्टं याननं मीनमगगुत्रुवरीलवशी
कुडुमी ॥ १०१ ॥ सर्वविषयत्रिनभी सुता ॥

ओ ॥ य ॥ ॥ आकी आदावागय ॥ त्रविक्
तिषदडादावागयानयायानं को
शीगुत्रुमं लुनायगययामि ॥ ३॥ न
कीशीवात्रकोमाजीदवोगययामि
॥ ३॥ नमः श्रीनाथाय ॥ नमः श्रीति
हिनाथाय ॥ नमः श्रीकुडुसन

थय॥ बुयाइकावूडयामि॥३॥ स्वा
नकाकायात॥ कुं० बुयायरुद
॥ मैलुनसबादस्वाने, मनायिसबाद
स्वान, डादावनय॥ नैकींभीकुडि
कादवीपूषीनम॥ स्वाननकूय॥ ना
दातमसि कोनबाय॥ पागकाया

वेतयानयाय॥ नैकींभीगुनूवगः
ययामि॥३॥ नूगनम॥ नैकींभीगु
नूमलुनायनययामि॥३॥ नैकींभी
वात्रकीमात्रिद्वेनययामि॥३॥
वम॥ नैकींभीसव्वथोदथोथान

यया मि॥ ३॥ नमः श्रीनाथाय॥ नमः
श्रीसिद्धिनाथाय॥ नमः श्रीकृष्णना
थाय॥ श्रुया इका युत या मि॥ ३॥
नया॥ नैकी श्रीका श्रीमनत्वाय
धया मिस्वादा॥ ३॥ श्रीविद्यानत्वाय

श्वधया मिस्वादा॥ ३॥ श्रीगिवनत्वा
यस्वधया मिस्वादा॥ नैकी श्रीमव
नत्वाय श्वधया मिस्वादा॥ वस्व
कैयूयावनीय॥ श्रीवकाव नित्य॥
श्रुतवाले॥ न्यासयाय॥ स्वामि वि

याव वलिर्मंगया ॥ ६ ॥ अस्माय रुट ॥
३ ॥ यावा दाय ॥ ६ ॥ अस्माय रुट ॥
त्रय प्रक ॥ ६ ॥ अस्माय रुट ॥ ३ ॥
हा ने मूडान वलि (धय) ॥ ६ ॥ अ
मु। रुट ॥ नासिय वलि सत्रा हा

क रुट उ नय ॥ ६ ॥ नासिय ॥ ३ ॥
का अस्माय रुट ॥ ३ ॥
विद्या न त्वाय रुट ॥ ३ ॥
व न त्वाय रुट ॥ ३ ॥
॥ अस्माय रुट ॥ ३ ॥

॥ अद्यामुदगमावाहाननयाय
॥ उं कौं कौं म ४ यी सुख्यो य अर्ध
नम ४ यूर्यौ नम ॥ ॥ धूनीनि
ल्यत्र न चूजा ॥ समन ८ १३ ध
वन रुक्म रुक्म मि अदिन

कृत् रुक्मना ऊर्ग्य सामवाम
लसवितत्रि कृत् नमिगभचन्द्र
मसि ॥ ॥ धूक् धूक् वायावियाश
न ॥ ॥ कृत् नमिगभचन्द्र
कृत् नमिगभचन्द्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

